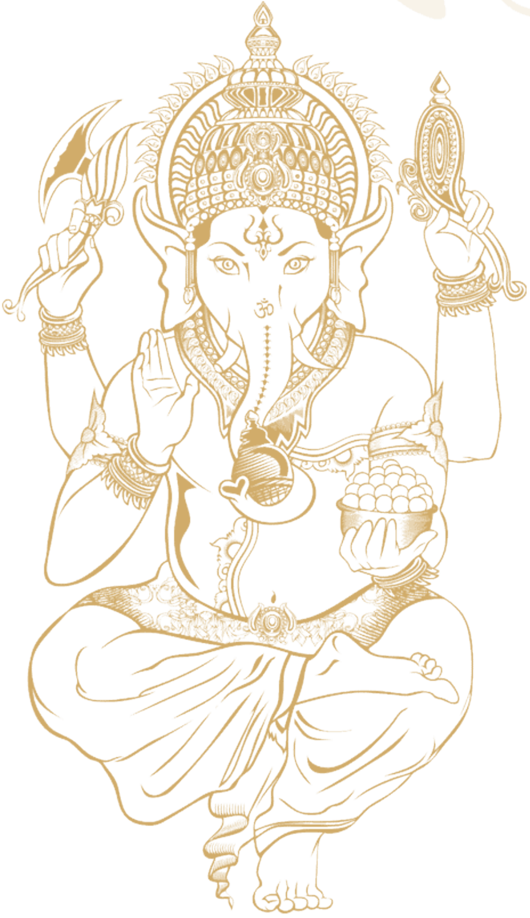

Punit mishara

Bhumika dayama

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121452201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121452201 Date: 01/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/02/1998	जन्म तिथि	13/11/1999
सोम-मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:17:00	जन्म समय	09:15:00 घंटे
घटी 47:51:39	जन्म समय(घटी)	06:04:24 घटी
India	देश	India
Kankroli	स्थान	Ladnun
25:03:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	74:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:32:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:20	सूर्योदय	06:51:23
18:29:03	सूर्यास्त	17:41:30
23:49:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03
वृश्चिक	लग्न	वृश्चिक
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
चित्रा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
गण्ड	योग	शूल
तैतिल	करण	बालव
री-रीतेश	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
मंगल 1वर्ष 8मा 0दि	
गुरु	
18/10/2017	
18/10/2033	
गुरु	07/12/2019
शनि	19/06/2022
बुध	24/09/2024
केतु	31/08/2025
शुक्र	01/05/2028
सूर्य	17/02/2029
चन्द्र	19/06/2030
मंगल	26/05/2031
राहु	18/10/2033

अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश
18:54:32	वृश्चिक	लग्न		वृश्चिक	26:36:43
04:08:49	कुंभ	सूर्य		तुला	26:27:34
03:29:22	तुला	चंद्र		धनु	20:46:40
23:50:39	कुंभ	मंगल		धनु	26:10:11
29:48:03	मक	बुध	व	वृश्चिक	02:50:44
09:08:12	कुंभ	गुरु	व	मेष	03:27:48
26:53:30	धनु	शुक्र		कन्या	10:29:31
23:00:31	मीन	शनि	व	मेष	19:19:09
16:43:51	सिंह	राहु	व	कर्क	12:53:13
16:43:51	कुंभ	केतु	व	मक	12:53:13
15:58:26	मक	हर्ष		मक	19:11:51
06:51:07	मक	नेप		मक	07:59:21
14:05:19	वृश्चिक	प्लूटो		वृश्चिक	15:43:46

विंशोत्तरी	
शुक्र 8वर्ष 9मा 30दि	
मंगल	
12/09/2024	
13/09/2031	
मंगल	08/02/2025
राहु	27/02/2026
गुरु	03/02/2027
शनि	14/03/2028
बुध	11/03/2029
केतु	07/08/2029
शुक्र	07/10/2030
सूर्य	12/02/2031
चन्द्र	13/09/2031

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:49:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:03

लग्न-चलित

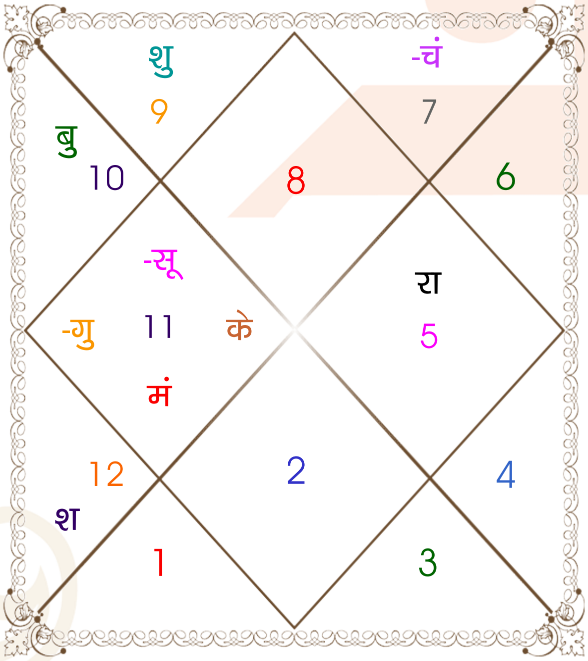

लग्न-चलित

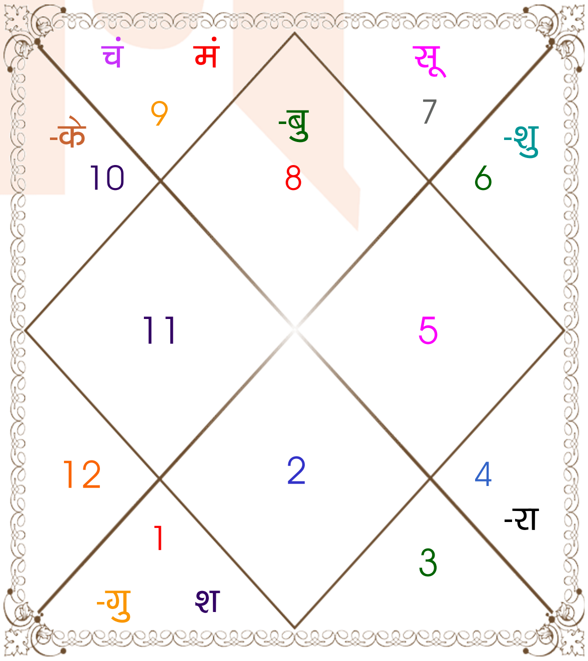

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

कुल : 11 / 36

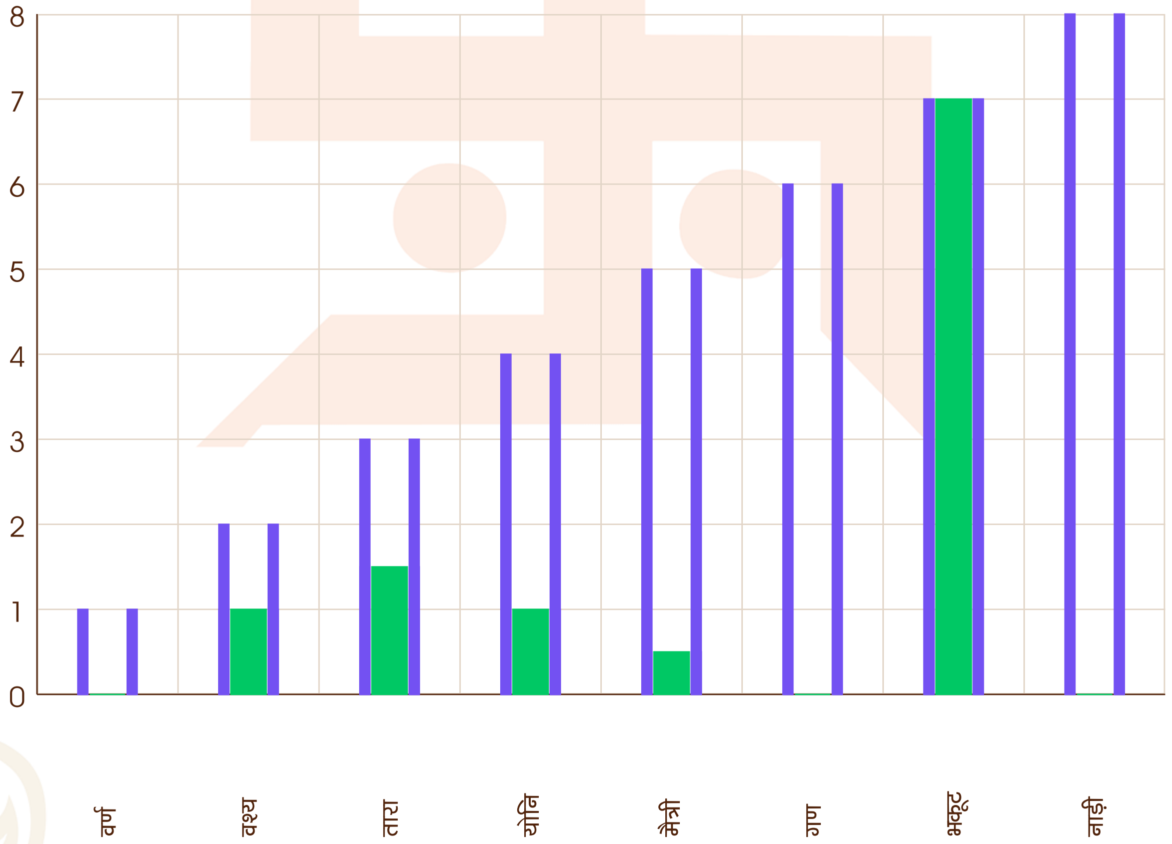

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Punit mishara का वर्ग मृग है तथा Bhumika dayama का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Punit mishara और Bhumika dayama का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Punit mishara मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Punit mishara कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhumika dayama मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Bhumika dayama कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Punit mishara तथा Bhumika dayama में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Punit mishara का वर्ण शूद्र है तथा Bhumika dayama का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Bhumika dayama का वर्ण Punit mishara के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Bhumika dayama अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Bhumika dayama का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Punit mishara को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Punit mishara का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Bhumika dayama का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Punit mishara एवं Bhumika dayama दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Bhumika dayama अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Punit mishara अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Punit mishara की तारा क्षेम तथा Bhumika dayama की तारा वध है। Bhumika dayama की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Punit mishara एवं Bhumika dayama दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Bhumika dayama अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Punit mishara की योनि व्याघ्र है तथा Bhumika dayama की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की

कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Punit mishara का राशि स्वामी Bhumika dayama के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Bhumika dayama का राशि स्वामी Punit mishara के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Punit mishara का गण राक्षस है तथा Bhumika dayama का गण मनुष्य है। अर्थात Bhumika dayama का गण Punit mishara के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Punit mishara से Bhumika dayama की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Bhumika dayama से Punit mishara की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Punit mishara अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Bhumika dayama सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Punit mishara की नाड़ी मध्य है तथा Bhumika dayama की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में

से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Punit mishara एवं Bhumika dayama का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Punit mishara की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Bhumika dayama की राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अग्नि और वायु तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण Punit mishara और Bhumika dayama में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Punit mishara की राशि का स्वामी शुक्र तथा Bhumika dayama की राशि का स्वामी गुरू परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Punit mishara और Bhumika dayama के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा जिससे परस्पर संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे यद्यपि Bhumika dayama का इसमें सहयोग नगण्य रहेगा परन्तु Punit mishara के द्वारा समस्याएं होती रहेंगी। अतः Punit mishara और Bhumika dayama को बुद्धिमता पूर्वक परस्पर संबंध रखने चाहिए।

Punit mishara और Bhumika dayama की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों न्यूनता आएगी तथा परस्पर सौहार्द पूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए Punit mishara और Bhumika dayama तत्पर रहेंगे । वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे जीवन में सुख शांति एवं सन्तुष्टि में वृद्धि होगी तथा आपस में सहयोग तथा सहानुभूति का भाव भी विद्यमान रहेगा।

Punit mishara का वश्य मानव तथा Bhumika dayama का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद में स्वाभाविक विषमता होने के कारण Punit mishara और Bhumika dayama की शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Punit mishara का वर्ण शूद्र तथा Bhumika dayama का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Punit mishara किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे परन्तु Bhumika dayama पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Punit mishara और Bhumika dayama की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Punit mishara और Bhumika dayama की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा।

अतः धनार्जन होता रहेगा।

Bhumika dayama एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Punit mishara और Bhumika dayama दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Punit mishara और Bhumika dayama दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Bhumika dayama के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Punit mishara और Bhumika dayama का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Punit mishara और Bhumika dayama के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Bhumika dayama के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Bhumika dayama को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Bhumika dayama को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Punit mishara और Bhumika dayama सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Punit mishara और Bhumika dayama का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Bhumika dayama के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी Bhumika dayama को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Bhumika dayama को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Bhumika dayama के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से Bhumika dayama सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Punit mishara तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में Punit mishara के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह Punit mishara को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही Punit mishara के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Punit mishara के प्रति अनुकूल ही रहेगा।